लोक सभा
अतारांकित प्रश्न सं. 2875
03 अगस्त, 2022 को उत्तर दिए जाने के लिए

वस्त्र और परिधान क्षेत्र

2875. श्रीमती कलाबेन मोहनभाई देलकर:
श्री ओम पवन राजेनिंबालकर:

क्या वस्त्र मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि:

(क) क्या वस्त्र और परिधान क्षेत्र कठिन दौर से गुजर रहा है और कोविड-19 महामारी के कारण बुरी तरह प्रभावित हुआ है;

(ख) यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है और सरकार द्वारा वस्त्र उद्योग को पुनर्जीवित करने और देश से निर्यात को प्रोत्साहित करने के लिए क्या कदम उठाए गए हैं;

(ग) पिछले तीन वर्षों और वर्तमान वर्ष के दौरान वस्त्र और परिधान उद्योग में अच्छा प्रदर्शन करने वाले क्षेत्र का वर्ष-वार और क्षेत्र-वार ब्यौरा क्या है;

(घ) क्या पिछले दो-तीन वर्षों की तुलना में हस्तनिर्मित कालीनों और हस्तशिल्पों के निर्यात में ऋणात्मक वृद्धि हुई है;

(ड़) यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है; और

(च) सरकार द्वारा उक्त वस्तुओं के निर्यात को बढ़ाने के लिए क्या कदम उठाए गए हैं?

उत्तर
वस्त्र राज्य मंत्री
(श्रीमती दर्शना जरदोश)

(क) और (ख): कोविड-19 की वैश्विक महामारी के कारण शुरू में सामाजिक समारोहों पर प्रतिबंध, मजदूरों के प्रवास ने वस्त्र क्षेत्र को प्रभावित किया, जिसके फलस्वरूप मूल्य श्रृंखला में किसानों से लेकर व्यापारियों/निर्यातकों तक सभी हितधारक प्रभावित हुए हैं। सरकार द्वारा विभिन्न प्रयास शुरू किए गए और परिणामस्वरूप निर्यात में जबरदस्त सुधार हुआ है। वस्त्र और परिधान का निर्यात वर्ष 2020-21 में 29.88 बिलियन अमरीकी डॉलर था और वर्ष 2021-22 में यह बढ़कर 42.35 बिलियन अमरीकी डॉलर हो गया है। वर्ष 2020-21 से 2021-22 तक निर्यात में वर्ष दर वर्ष वृद्धि 42% है।

सरकार ने निर्यात को बढ़ावा देने और अखिल भारतीय आधार पर वस्त्र उद्योग को पुनर्जीवित करने के लिए वस्त्र क्षेत्र में निम्नलिखित प्रमुख पहल/उपाय किए हैं:

i) सरकार ने वर्ष 2027-28 तक सात वर्षों की अवधि के लिए 4,445 करोड़ रुपये के परिव्यय के साथ ग्रीनफील्ड/ब्राउनफील्ड साइटों में सात प्रधान मंत्री मेगा एकीकृत वस्त्र क्षेत्र और परिधान (पीएम मित्र) पार्क स्थापित करने को मंजूरी दी है। ये पार्क वस्त्र उद्योग को विश्व स्तर पर प्रतिस्पर्धी बनने, बड़े निवेश को आकर्षित करने और रोजगार सृजन को बढ़ावा देने में सक्षम बनाएंगे।

ii) परिधान/वस्त्रों और मेड-अप्स के निर्यात के लिए मार्च 2019 से प्रभावी राज्य और केंद्रीय करों और लेवी (आरओएससीटीएल) की छूट योजना 31 मार्च 2024 तक जारी रखी गई है। वस्त्र/परिधान और मेड-अप्स के लिए आरओएससीटीएल को जारी रखते हुए सभी एम्बेडडे राज्य और केंद्रीय करों और लेवी में छूट देकर इन उत्पादों को विश्व स्तर पर प्रतिस्पर्धी बनाने की उम्मीद है।

iii) सरकार ने भारत में तकनीकी वस्त्र क्षेत्र को बढ़ावा देने और विकसित करने के लिए राष्ट्रीय तकनीकी वस्त्र मिशन के लिए 1480 करोड़ रुपये का परिव्यय आवंटित किया है। आवंटित निधि तकनीकी वस्त्र क्षेत्र में मौलिक और प्रायौगिक अनुसंधान दोनों में अनुसंधान और विकास के लिए है, संवर्धन और बाजार विकास गतिविधियों के माध्यम से तकनीकी वस्त्रों के प्रारंभिक स्तर को बढ़ाने और तकनीकी वस्त्रों के क्षेत्र में कुशल और शिक्षित जनशक्ति तैयार करने के लिए है। शामिल किए गए अनुसंधान विषयों में; विशेष फाइबर और कंपोजिट, जियोटेक्सटाइल, कृषि वस्त्र, सुरक्षात्मक वस्त्र, चिकित्सा वस्त्र, रक्षा वस्त्र, खेल वस्त्र, और पर्यावरण के अनुकूल वस्त्रों की पहचान की गई है और अनुसंधान प्रस्ताव आमंत्रित किए गए हैं। अब तक 108 करोड़ रुपये मूल्य की 31 अनुसंधान परियोजनाओं को पहले ही मंजूरी दी जा चुकी है। 70 से अधिक परियोजनाएं प्राप्त हुई हैं और जांच प्रक्रिया के अधीन हैं। तकनीकी वस्त्र मशीनरी और उपकरणों के विकास के क्षेत्र में अनुसंधान एवं विकास की भी परिकल्पना की गई है। सरकार ने तकनीकी वस्त्रों के क्षेत्र में प्रयोगशाला के बुनियादी ढांचे और प्रशिक्षकों के प्रशिक्षण को मजबूत करने के लिए विभिन्न शैक्षणिक संस्थानों में तकनीकी वस्त्रों का एक शिक्षा पारिस्थितिकी तंत्र बनाने के लिए दिशानिर्देशों को भी अंतिम रूप दिया है।

इसके अलावा, सरकार विभिन्न योजनाएं यथा- संशोधित प्रौद्योगिकी उन्नयन निधि योजना (ए-टीयूएफएस), विदुयतकरघा क्षेत्र के विकास के लिए योजनाएं (पावर-टेक्स), एकीकृत वस्त्र पार्कों के लिए योजना (एसआईटीपी), समर्थ- वस्त्र क्षेत्र में क्षमता निर्माण के लिए योजना, जूट (आईसीएआरई- बेहतर खेती और उन्नत रेटिंग अभ्यास), एकीकृत प्रसंस्करण विकास योजना (आईपीडीएस), रेशम समग्र 2.0, राष्ट्रीय हथकरघा विकास कार्यक्रम, राष्ट्रीय हस्तशिल्प विकास कार्यक्रम, एकीकृत ऊन विकास कार्यक्रम (आईडब्ल्यूडीपी) आदि विशेष रूप से देश में स्वदेशी वस्त्र क्षेत्र के संवर्धन और विकास हेतु क्रियान्वित कर रही है।

(ग): वस्त्र क्षेत्र के विभिन्न खंडों के उत्पादन का विवरण **अनुबंध** पर है।

(घ) से (च): हस्तनिर्मित कालीन सहित हस्तशिल्प के निर्यात में लगातार सकारात्मक वृद्धि हुई है। पिछले 3 वर्षों में हस्तनिर्मित कालीनों सहित हस्तशिल्प का निर्यात डेटा नीचे दिया गया है:

क्र.सं.	**वर्ष**	**निर्यात करोड़ में**
1.	2019-20	37,069.59
2.	2021-22	39,490.37
3.	2022-23	49,385.12

इसके अलावा, हस्तनिर्मित कालीनों सहित हस्तशिल्प के निर्यात को बढ़ाने के लिए, सरकार भारत और विदेशों में महत्वपूर्ण प्रदर्शनियों/मेलों/विषयगत शो, क्रेता-विक्रेता मिलन और रिवर्स क्रेता-विक्रेता मिलन के आयोजन/भागीदारी के लिए पात्र एजेंसियों को वित्तीय सहायता प्रदान करती है।

अनुबंध

वस्त्र क्षेत्र के विभिन्न खंडों का अनुमानित उत्पादन			
		(आंकड़ें मिलियन में)	
अवधि	**मानव-निर्मित फाइबर (कि.ग्रा.)**	**मानव निर्मित फिलामेंट यार्न (कि.ग्रा.)**	**मिश्रित एवं 100% गैर-कपास यार्न (कि.ग्रा.)**
2018-19	1,442	1,160	1,682
2019-20	1,898	1,688	1,702
2020-21	1,610	1,326	1,521
2021-22 (अनंतिम)	2,160	2,016	1,759

*****